अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17
फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

''महावीर ने सहज-सरल दर्शन दिया था''

मुनिश्रीविनयकुमारजी 'आलोक'

जयपुर, 14 सितम्बर 09

''भागवान महावीर ने जीवन का जो दर्शन दिया वह अत्यन्त सहज-सरल है। उन्होंने भौतिक साधनों को कभी अध्यात्म में बाधक नहीं माना अपितु जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र दिये। उनके दर्शन का पहला सूत्र है - राग और द्वेश दोनों से दूर रहें, इच्छाओं को कम करें तथा संसार में निरासक्त भाव से रहें।'' ये विचार आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के विद्वान शिश्य मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' ने जैन मंच द्वारा अणुविभा केन्द्र में आयोजित जैन दर्शन व्याख्यान माला की नौं वीं संगोश्ठि को सम्बोधित करते हुए कहे।

गोश्ठी के प्रमुख वक्ता जैन तत्त्व मनीशी श्री कन्हैयालाल लोढ़ा ने ''जैन दर्शन में जीवन निर्माण के सूत्र'' विशय पर बताया कि बुद्धि के आधार पर लिये गये निर्णय से जीवन का लक्ष्य नहीं बनता। जीवन का सही लक्ष्य वह होता है जिसको पाने के बाद कुछ भी पाना शेश नहीं रहे। संसारिक दुःखों को समूल नश्ट करना हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। साधनों के द्वारा कामना पूर्ति का सुख कभी स्थायी नहीं होता। वास्तवीक सुख तो कामना का अभाव ही है।

प्रारम्भ में जैन दर्शन माला के संयोजक श्री महेन्द्र जैन ने संगोश्ठी के विशय पर प्रकाश डाला।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर